बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

यीशु के चमत्कार

लेखक : Edward Hughes

अनुवाद : Suresh Kumar Masih

व्याख्याकार : Byron Unger; Lazarus

रूपान्तरकार : E. Frischbutter; Sarah S.

60 कहानियों में से 40 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

यीशु मसीह ढ़ेर सारे चमत्कार किये। चमत्कार, यह सिद्ध करने के लिए थे की यीशु मसीह वास्तव में परमेश्वर का बेटा है। पहला चमत्कार एक शादी की दावत में हुआ। एक समस्या पैदा हुई। वहां दाखरस सबके लिए पर्याप्त नहीं था।

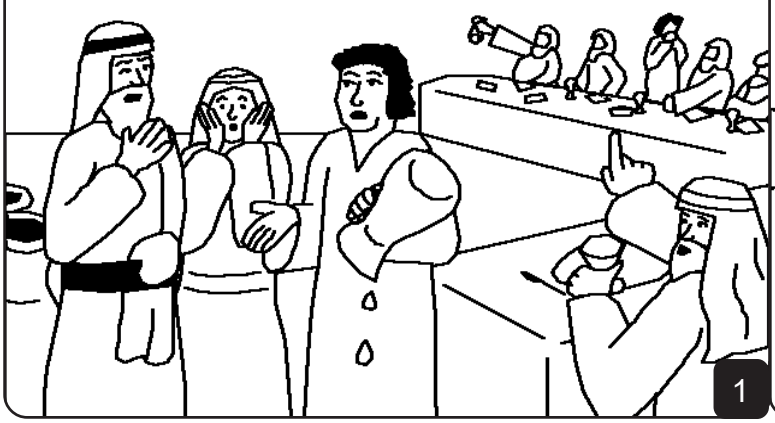

1

मरियम, यीशु की माँ, ने इस समस्या के बारे में उसे बताया और सेवकों को कहा कि जो कुछ भी यीशु आदेश दे उसका पालन करो।

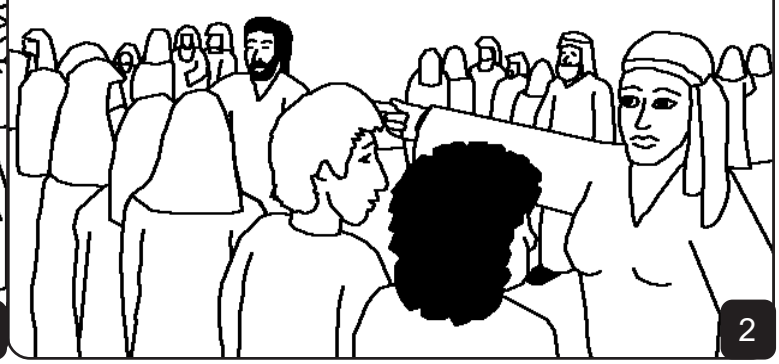

2

यीशु ने कहा "पानी से इन बर्तनो को भर दो" "पानी?" उन्होंने यह पूछा होगा। हां, पानी ही, यीशु ने अनुरोध किया।

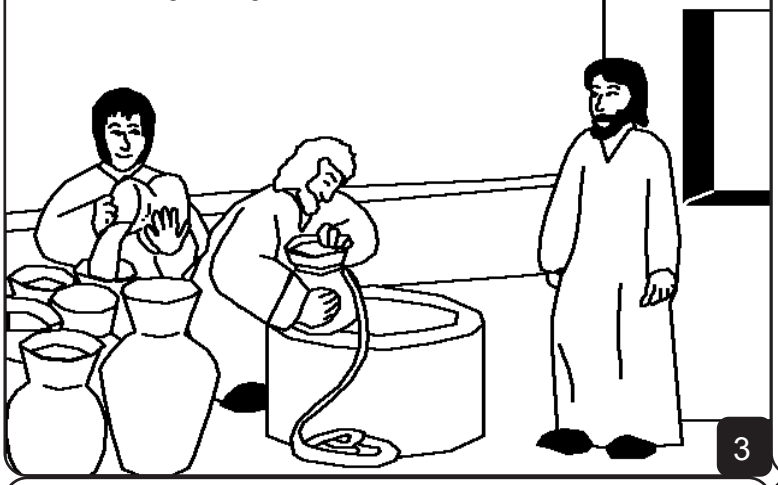

3

फिर यीशु ने सेवकों से कहा, बड़े बर्तन से कुछ निकाल लो और दावत के मुखिया को चखने के लिए दो। वह पानी अब दाखरस बन चुका था! अच्छा दाखरस! बेहद अच्छा दाखरस!

4

सेवक चकित थे। यीशु पानी को दाखरस में बदल दिया था। केवल परमेश्वर ही ऐसे चमत्कार कर सकता है।

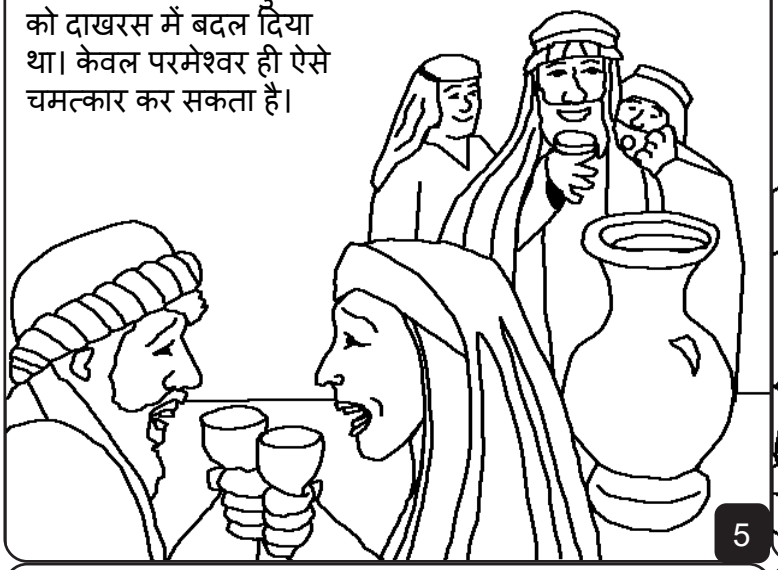

5

यीशु और भी चमत्कारों का प्रदर्शन किया। एक शाम, यीशु और उसके चेले पतरस के घर गए। पतरस की सास बुखार के कारन बहुत बीमार थी।

6

यीशु, बीमार महिला के हाथ को छुआ। एक पल में वह फिर से चंगी हो गयी। वह यीशु और उसके चेलों की सेवा टहल करने के लिए उठ गयी।

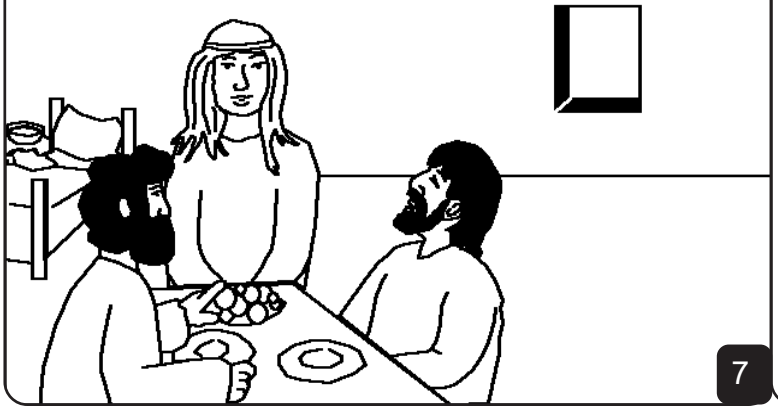

7

ऐसा लग रहा था की पूरा शहर उस शाम दरवाजे पर एकत्रित था। अंधे, बहरे, गूंगे, तथा अपंग ऐसे बीमार लोग वहां आये। यहां तक कि उन में रहने वाली दुष्ट आत्मा से ग्रसित लोगों की भीड़ यीशु के पास आयी। क्या वह इतनों की मदद कर सकता था?

8

यीशु जो परमेश्वर का पुत्र है, हाँ मदद कर सकता है। यीशु ने मदद किया। जो भी उसके पास आये सभी चंगाइ पाये। जो बैसाखी के माध्यम से चलकर जीवन यापन कर रहे थे वे अब चलने, दौड़ने और छलांग लगा सकते थे।

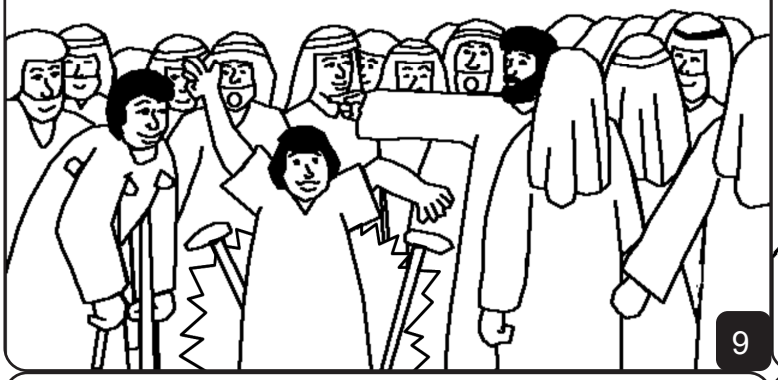

9

दूसरे जिनको कुष्ठ रोग बदसूरत बना दिया, भी आये।

10

यीशु ने उन्हें चंगा किया और वे पूरी रीती से पाक और साफ भी हो गये।

11

दुष्ट आत्माओं से परेशान पुरुष और महिलायें यीशु के समक्ष आयीं। उसने उन्हें छोड़ने के लिए दुष्ट आत्माओं को आज्ञा दी।

12

जब दुष्ट आत्माओं ने उसकी आज्ञाएं मानी तब भयभीत, दुखी और शांत लोग अब और आनंदमय हो गए।

13

यीशु के पास पहुँचने के लिए, भीड़ के पीछे से चार लोग अपने दोस्त को मदद करने की कोशिश की। परन्तु वे ऐसा नहीं कर पाये। अब वे और क्या कर सकते थे?

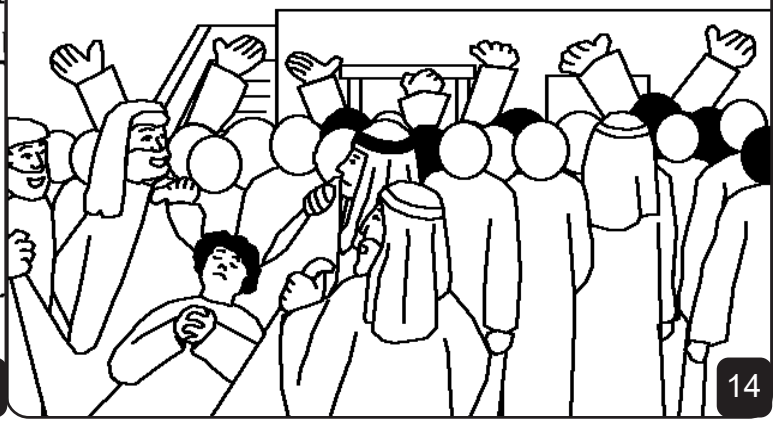

14

चार वफादार दोस्तों ने बीमार आदमी को घर की छत पर ले गए और उसे नीचे उतारने के लिए छत को खोल दिये। अब वह यीशु के बेहद करीब था।

15

यीशु उन चार दोस्तों के विस्वास को देखा। यीशु ने बीमार आदमी से कहा, "कि तेरे पाप क्षमा हुए। अपनी खाट उठा और चल फिर" आदमी तुरंत भला चंगा और मजबूती से उठ खड़ा हो गया। यीशु ने उसे चंगा किया।

16

इसके तुरंत बाद, यीशु अपने चेलों के साथ एक नाव में था। एक भयंकर तूफान समुद्र में से उठा। यीशु वहां सो रहा था। चेलों ने घबराते हुए उसे उठाया। "हे प्रभु, हमें बचा ले," वे चिल्लाये "हम नाश हुवे जाते है!"

17

यीशु ने लहरों को डांटा, "शांत हो जाओ" तुरंत, समुद्र शांत हो गया। उसके चेले फुसफुसाए "यह किस प्रकार का आदमी है?" यहां तक कि हवा और समुद्र भी उसकी आज्ञाएं मानते हैं। उन्होंने यीशु को परमेश्वर का पुत्र करके स्वीकार किया क्योंकि उसके चमत्कार उसकी महिमा को प्रगट करते थे। चेलों को यह पता नहीं था, लेकिन वे लोगों के बीच परमेश्वर की

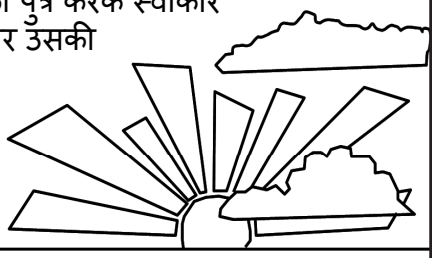

सेवा करते हुए यीशु के और भी महान चमत्कारों को देखने जा रहे थे।

18

यीशु के चमत्कार

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 8-9, मरकुस 1-2, मरकुस 4, लूका 4, लूका 8, यूहन्ना 2

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.